

पत्रावली पेश हुई। वकील पार्थीगण उपस्थित
 अपार्थीगण अनुपस्थित। वकील पार्थीगण की
 बधस सुनी गई। वकील पार्थीगण ने अपनी
 बधस में बताया कि पार्थीगण का पार्थना
 पत्र स्वीकार किया जाकर पार्थना पत्र
 में उल्लेखित खसरो का सीमांकन अनुसार
 पत्थरगढी करने का आदेश फरमावे। वकील
 पार्थीगण की बधस पर मनन किया गया
 तथा पत्रावली का अवलोकन किया गया।
 पार्थीगण अधिवक्ता द्वारा विवादित आराजी ग्राम
 लवरा कला के खसरा नं. 1179, 1182,
 1183 व 1470 की कृषि भूमि आई हुई
 ही तहसीलदार बक्शी की सीमांकन रिपोर्ट
 अनुसार भूमि की पत्थरगढी पार्थीगण
 करवाने चाहते हैं। वकील पार्थीगण अधिवक्ता
 ने अपनी बधस में बताया।

पार्थीगणों ने अपने पार्थना पत्र में
 उल्लेख किया कि उपरोक्त वर्णित अपार्थीगणों
 के खसरो व पार्थीगणों के खसरो में
 सीमा का लेकर विवाद है।

पत्रावली के अवलोकन से यह
 बात निःसन्देह जाहिर होती है कि पार्थीगणों
 अपनी खसरोदारी कृषि भूमि की पत्थरगढी
 करवाने के अधिकारी हैं।

इन तथ्यों को देखते हुए नैसर्गिक सिद्धान्त के आधार पर प्राथमिक का प्रार्थना पत्र स्वीकार योग्य है।
आदेश

प्राथमिक का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111, 128 2R ACT. स्वीकार किया जाता है। वकील वादी उपस्थित प्रतिवादी गणों के सम्मन तामील सुपा डॉन के बावजूद भी कोई उपस्थित नहीं हुए प्रजावली में गाम लका कला के खसरा नं. 1179, 1182, 1183 व 1470 की पधरगढी प्राथमिक जाहते ही प्रतिवादी गणों की तरफ से आज भी कोई उपस्थित नहीं। पूर्व में प्रतिवादी गणों 1 लगायत 17 के खिलाफ एकतरफा कार्यवाही अमल में लई जा चुकी है। शिविर दौरान प्रशासन गांवों के संग शिविर में सहायक अलिखता सार्वजनिक निर्माण विभाग की बखस सुनी गई। प्रजावली पर तदसीलघाट कावटी से प्राप्त रिपोर्ट सीमांकन रिपोर्ट का अवलोकन किया गया। प्राथमी वकील ने सीमांकन रिपोर्ट के अनुसार पधरगढी आदेश हेतु निर्वहन किया। सीमांकन रिपोर्ट का अवलोकन किया गया। तदसीलघाट की सीमांकन

रिपोर्ट व राजस्व रिकार्ड के अनुसार सड़क की तयमीम व गौंड पर सड़क की स्थिति में अन्तर के अनुसार पाया गया है। प्राथमिक के अधिकतम ने मौका रिपोर्ट सीमांकन के अनुसार पधर गढी आदेश कर्न हेतु निर्वहन किया। प्राथी वकील की बखस व सहायक अलिखता सार्वजनिक निर्माण विभाग की बखस पर मनन किया गया प्राथमिक प्रार्थना पत्र धारा अन्तर्गत 111, 128 2R ACT आदेशिक स्वीकार किया जाकर सीमांकन रिपोर्ट के अनुसार पधरगढी के आदेश पदान किए जाते हैं। साथ ही सहायक अलिखता PWD का आदेशित किया जाता है कि सीमांकन के अनुसार सड़क का निर्माण कार्य करवाया जावे। प्राथमिकों व अप्राथमिकों का आदेशित किया जाता है कि जब तक सड़क की मौका स्थिति सर्वथा नहीं करेगी। ना ही सड़क का रोकने और ना ही स्वयं अथवा अन्य से कब्जा करवाएगी। यदि प्राथमिक / अप्राथमिक स्वयं अथवा अन्य किसी से सीमांकन अनुसार सड़क निर्माण कार्य पूर्ण होने से पूर्व चलते हुए सड़क मार्ग का रोकना जाता है तो यह आदेश निरस्त समझा जावेगा